

महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियाँ और बाधाएँ: एक अनुभवजन्य जांचसुश्री चारु मणि*, डॉ. सुनीता भरतवाल¹

*शोधकर्ता, प्रबंधन अध्ययन विभाग, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी (हरियाणा), भारत

¹ शोध मार्गदर्शक, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी (हरियाणा), भारत**आलेख जानकारी**

प्राप्त: 19 दिसंबर, 2023

संशोधित: 16 फरवरी, 2024

प्रकाशित: 30 जून, 2024

संपादक: डॉ. शशिकांत यादव

***अनुरूपी लेखक**

Email:

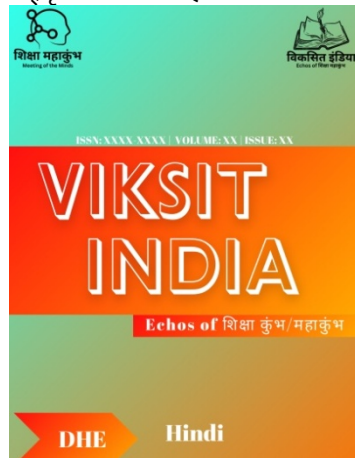
charu.mani9@gmail.com

7988963546

खुला एक्सेस

DOI:

यह क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>) की शर्तों के तहत वितरित एक ओपन एक्सेस लेख है, जो किसी भी माध्यम में अप्रतिबंधित उपयोग, वितरण और पुनरुत्पादन की अनुमति देता है, बशर्ते मूल कार्य उचित रूप से उद्धृत किया गया है।

<https://vih.rase.co.in/>

Copyright© DHE

सारांश

इस शोध का उद्देश्य उन कठिनाइयों का पता लगाना है जिनका सामना महिला उद्यमी अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए करती हैं। इस अध्ययन में, हम एक रूपरेखा प्रस्तावित करते हैं और मुख्य कारकों की जांच करते हैं - अर्थात्, "सामाजिक और पारिवारिक समर्थन," "भावनात्मक बुद्धिमत्ता," "रूढ़िवादिता," और "ज्ञान" - जो महिला उद्यमियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ थीं। 150 महिला उद्यमियों के नमूने में 1 से 5 तक के लिकर्ट स्केल के साथ प्रश्नावली वितरित करके डेटा एकत्र किया गया था। इस उद्देश्य के लिए एक सुविधाजनक नमूनाकरण तकनीक थी। निष्कर्षों के आधार पर, यह दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है कि सरकार को प्रभावी और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतियाँ बनानी चाहिए। यह अध्ययन उन महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है जो खुद को बेहतर बनाना चाहती हैं। वे शैक्षणिक कार्यक्रमों और उद्योग-विशिष्ट नेटवर्किंग सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से अपने स्वयं के ज्ञान में निवेश करके इसे प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा, उद्यमशीलता विकास के लिए जिम्मेदार अधिकारी इस अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टि का उपयोग मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए कर सकते हैं जो महिला उद्यमियों को अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाते हैं। भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए, हम नमूना आकार का विस्तार करने और विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों के भीतर विशिष्ट प्रकार के छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देते हैं। इसके अतिरिक्त, डेटा संग्रह के लिए मिश्रित-विधि दृष्टिकोण का उपयोग करने से अधिक व्यापक और सार्थक निष्कर्ष निकल सकते हैं।

कूट शब्द: महिला उद्यमिता, बाधाएं और चुनौतियाँ।**1. परिचय**

श्रीवास्तव ने 2009 में महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था कि सतत विकास के स्तंभों को बनाए रखने और सार्वभौमिक मानवाधिकारों को साकार करने के लिए यह अपरिहार्य है। इस सशक्तिकरण को केवल एक अमूर्त लक्ष्य के रूप में नहीं देखा जाता है; महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में व्यावहारिक बदलाव का लक्ष्य रखा जाता है। एक व्यापक रूप से स्वीकृत धारणा यह है कि जब महिलाओं, जो आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं, को अवसरों और अधिकारों से वंचित किया जाता है, तो सामाजिक प्रगति बाधित होती है। 2014 में, सोभा ने इस पर जोर दिया था रानी का मानना है कि एक महिला केवल उसे ही लाभ नहीं पहुँचाती, बल्कि उसके परिवार और आने वाली पीढ़ियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। 2009 में तम्बुनन द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, कोरिया और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे देशों में, अधिकांश महिला उद्यमी सूक्ष्म-उद्यम (MIE) संचालित करती हैं, जो आसानी से सुलभ हैं और जिनके लिए न्यूनतम पूंजी, कौशल और तकनीक की आवश्यकता होती है। इसी तरह, मलेशिया में, व्यापार जगत मुख्य रूप से पुरुष-प्रधान पाया जाता है। मलेशिया में महिला उद्यमियों के लिए समर्थन की कमी को मेसन और इब्राहिम (2012) और राशिद एट अल।

(2015) जैसे शोधकर्ताओं द्वारा उजागर किया गया था। हालाँकि, तनुसिया एट अल. (2016) ने बताया कि महिलाओं द्वारा संचालित व्यवसायों के लिए सरकारी सहायता उपलब्ध थी, लेकिन अक्सर, इन उद्यमियों में आवश्यक ज्ञान, कौशल और नेटवर्किंग की कमी थी। कई महिला उद्यमियों ने बड़ी सफलता और प्रेरणा प्राप्त की है। फिर भी, विभिन्न बाधाओं के माध्यम से अपने सपनों को प्राप्त करने में उनके द्वारा सामना की गई निराशा को पहचाना गया। परिवार और सामाजिक समर्थन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, लैंगिक रूढ़िवादिता, ज्ञान और जोखिम लेने वाले व्यवहार जैसी प्रमुख चुनौतियों की पहचान की गई, लेकिन अक्सर उन्हें अनदेखा कर दिया गया। यह दिखाया गया कि वर्तमान अध्ययन में इन चुनौतियों का सामूहिक रूप से मूल्यांकन किया गया था। इसलिए, इस शोध का उद्देश्य एनसीआर भारत में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है।

2 साहित्य की समीक्षा

मल्होत्रा एट अल. (2002) ने महिला उद्यमिता से संबंधित सिद्धांतों और दृष्टिकोणों पर गहन शोध किया। महिलाओं की वृद्धि और कल्याण परिवारों और व्यापक सामाजिक प्रगति दोनों को प्रभावित करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि किसी देश की आर्थिक वृद्धि महिलाओं की सक्रिय आर्थिक भूमिकाओं से जुड़ी हुई है। दुनिया के लगभग 40% श्रमिक महिलाएँ हैं और कई क्षेत्रों में अग्रणी हैं, प्रगति स्पष्ट है। फिर भी, कई देशों में महिलाओं के अधिकारों और जीवन के अवसरों में अंतर बना हुआ है (प्लूस जेडी एट अल., 2016)। महिला उद्यमियों के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है। यह उन्हें चुनौतियों का सामना करने, पारंपरिक भूमिकाओं को बदलने और अपने जीवन को बदलने में मदद करती है। शिक्षा के साथ, महिलाएँ असमानताओं से निपट सकती हैं, अपने अधिकारों का दावा कर सकती हैं, अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं और सामाजिक दबावों का सामना कर सकती हैं। यह परिवारों और समुदायों में उनके प्रभाव को भी बढ़ाता है (रुकिया मुडी, 2018)। इसके बावजूद, साहित्य महिलाओं के खिलाफ लगातार पेशेवर भेदभाव को उजागर करता है, जो उन्हें, उनके परिवारों और बड़े पैमाने पर समाज को प्रभावित करता है। प्रायः महिलाएँ पुरुषों से अधिक काम संभालती हैं, विशेषकर अवैतनिक घरेलू कार्य, जो परिवारों में उनकी मूक लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है (डियोप एम., 2015)। इस तरह के अनजान योगदान और अवैतनिक कार्य महिला उद्यमिता और सतत विकास लक्ष्यों में बाधा डालते हैं (विजेयसेकेरा एन., 2017)। कई अध्ययनों से पता चलता है कि महिला उद्यमी काम और जीवन के बीच संतुलन बनाने में संघर्ष करती हैं (ली- गोस्सेलिन और ग्रिस, 1990)। उन्हें कई भूमिकाएँ निभाना, अपने व्यवसाय को बढ़ाना और परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल लगता है (

आलम, जानी, और उमर, 2011)। कई विकासशील देशों में महिलाओं के लिए परिवार पहले स्थान पर आता है (श्मिलन, 2017)। महिला उद्यमियों के लिए एक और चुनौती भावनात्मक बुद्धिमत्ता है

मौजूदा साहित्य की समीक्षा करने पर दो मुख्य बिंदु सामने आते हैं। सबसे पहले, कई शोधकर्ता मुख्य रूप से पुरुष और महिला उद्यमियों की तुलना करके पक्षपाती लगते हैं, जो शायद स्थिति को सही ढंग से चित्रित न करें। स्पष्ट औचित्य के बिना लिंग भेद पर ध्यान केंद्रित करने से कई सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं। दूसरे, इस शोध का अधिकांश हिस्सा स्व-रिपोर्ट किए गए डेटा पर निर्भर करता है, जो कि पक्षपातपूर्ण हो सकता है, खासकर विकासशील देशों में जहाँ सामाजिक पूर्वाग्रह प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं (बर्नार्डी, 2006)। इसलिए, वर्तमान अध्ययन महिला उद्यमियों द्वारा अपने व्यवसाय को चलाने के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों का गहन विश्लेषण करता है, इसके अलावा इन चुनौतियों को चार प्रमुख समूहों में वर्गीकृत किया गया है।

3 अनुसंधान पद्धतियाँ

इस अध्ययन का उद्देश्य महिला उद्यमियों, विशेष रूप से एनसीआर हरियाणा में व्यवसाय चलाने वाली महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं का पता लगाना था। हमने एक विस्तृत प्रश्नावली का उपयोग करके डेटा एकत्र किया जिसमें इन चुनौतियों के बारे में 17 कथन शामिल थे। एनसीआर क्षेत्र की 150 महिला उद्यमियों से फीडबैक एकत्र किया गया। विषय को अच्छी तरह से समझने के लिए, टीम ने पुस्तकों, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं और रिपोर्टों जैसे कई संसाधनों का संदर्भ दिया। शोध में एक सुविधाजनक नमूनाकरण पद्धति का उपयोग किया गया, और प्रश्नावली का उपयोग करके सर्वेक्षण किए गए। सभी 150 प्रतिभागी महिला उद्यमी थीं। डेटा की विश्वसनीयता को क्रोनबैक के अल्फा के माध्यम से मान्य किया गया था। 150 वस्तुओं पर विचार करने के बाद, विश्वसनीयता स्कोर $\alpha = 0.892$ था, जिसने डेटा की विश्वसनीयता सुनिश्चित की।

4 विश्लेषण और निष्कर्ष

सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा को कुल डेटा में प्रत्येक समूह की आवृत्ति को समझने के लिए विभिन्न जनसांख्यिकीय मापदंडों में समूहीकृत किया गया था। इसके अलावा, महिला उद्यमियों द्वारा अपने व्यवसाय चलाने के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 17 कथनों के लिए पाँच बिंदु लाइकर्ट स्केल पर प्रतिक्रियाएँ एकत्र की गईं। इन चुनौतियों को खोजपूर्ण कारक विश्लेषण को लागू करके चार प्रमुख चरित्र श्रेणियों में समूहीकृत किया गया। EFA के परिणाम नीचे दिए गए अनुभाग में प्रस्तुत किए गए हैं।

तालिका 1.1 उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

चर	श्रेणियाँ	आवृत्ति	को PERCENTAGE
वैवाहिक स्थिति	विवाहित	105	70
	अविवाहित	45	30
आयु प्रोफ़ाइल	25 से कम	12	8
	25-35	32	21
	35-45	42	28
	45-55	35	23
	55 से ऊपर	29	20
शैक्षणिक योग्यता	स्नातक से नीचे	22	15
	स्नातक	36	24
	पोस्ट ग्रेजुएशन	29	20
	पेशेवर	52	35
	अन्य	11	7
निवास की जगह	ग्रामीण	15	10
	अर्ध शहरी	71	47
	शहरी	64	43
परिवार का प्रकार	नाभिकीय	79	53
	संयुक्त	71	47
अनुभव	कम से कम 5	40	27
	5-10	58	39
	10 से अधिक	52	35
व्यवसाय में प्रवेश करने से पहले व्यवसाय	बेरोज़गार	19	13
	विद्यार्थी	32	21
	गृहिणी	58	39
	कार्यरत	41	27

अध्ययन नमूने में महिला उद्यमियों की विविध पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालता है। जब वैवाहिक स्थिति की जांच की गई, तो

पाया गया कि प्रतिभागियों में से अधिकांश या 70% विवाहित हैं, जबकि शेष 30% अविवाहित हैं। आयु के संदर्भ में, सबसे बड़ा समूह 35 से 45 वर्ष के बीच है, जो एक परिपक्व जनसांख्यिकी को दर्शाता है, हालांकि अन्य आयु वर्गों में भी उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व है, 25 वर्ष से कम आयु के युवा वयस्कों से लेकर 55 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ व्यक्ति। शिक्षा उत्तरदाताओं के बीच एक ताकत प्रतीत होती है: 35% के पास पेशेवर योग्यता है, उसके बाद स्नातक डिग्री वाले हैं। उनके रहने के माहौल के लिए, परिदृश्य मुख्य रूप से अर्ध-शहरी (47%) है, जिसमें शहरी निवासी बहुत पीछे नहीं हैं (43%)। दिलचस्प बात यह है कि एकल और संयुक्त परिवार की संरचना लगभग समान रूप से पसंद की जाती है, जो आधुनिक और पारंपरिक पारिवारिक व्यवस्थाओं के मिश्रण को दर्शाती है। उद्यमिता में अनुभव 5 से 10 वर्षों के अनुभव वाले लोगों की ओर झुकाव दर्शाता है, जो उद्यमियों के एक मध्यम अनुभवी समूह का सुझाव देता है। अंत में, अपने व्यवसायिक उपक्रमों से पहले, एक महत्वपूर्ण प्रतिशत गृहिणियाँ थीं, जो घरेलू भूमिकाओं से उद्यमशीलता के क्षेत्र में बदलाव को दर्शाती हैं। अन्य छात्र, कर्मचारी या यहाँ तक कि बेरोज़गारी से भी आगे बढ़े, जो उद्यमिता की ओर महिलाओं के विभिन्न मार्गों को दर्शाता है।

तालिका 1.2: केएमओ और बार्टलेट परीक्षण सांख्यिकी

केएमओ और बार्टलेट परीक्षण		
कैसर-मेयर- ओल्किन नमूना पर्याप्तता माप।		.786
गोलाकारता परीक्षण	लगभग ची-स्कायर	238.413
	डीएफ	131
	सिग.	.000

कैसर-मेयर- ओल्किन (केएमओ) माप 0.786 है, जो कारक विश्लेषण के लिए एक अच्छा फिट दर्शाता है। बार्टलेट के गोलाकारता परीक्षण का काई-स्कायर मान 238.413 है, जिसका महत्व स्तर 0.000 है, जो बताता है कि चर संबंधित हैं और कारक विश्लेषण के लिए उपयुक्त हैं। दोनों परीक्षण इस विश्लेषण के लिए डेटा की उपयुक्तता की पुष्टि करते हैं।

तालिका 1.3: चुनौतियों के सभी चरों द्वारा समझाया गया कुल विचरण

कुल विचरण की व्याख्या									
कॉ म्पट	प्रारंभिक आइगेन मान			स्केर्ड लोडिंग का निष्कर्षण योग			वर्गाकार लोडिंग का रोटेशन योग		
	कुल	विचरण का %	संचयी %	कुल	विचरण का %	संचयी %	कुल	विचरण का %	संचयी %
1	4.78	20.89	21.73	4.78	20.89	20.89	4.15	20.89	20.89

2	4.00	19.22	39.92	4.00	19.21	40.11	3.57	19.22	40.12
3	3.46	19.99	55.67	3.46	19.90	60.10	3.30	19.99	60.11
4	2.49	17.84	67.02	2.49	17.80	77.90	3.18	17.84	77.96
5	2.40	10.93	77.96						
6	.70	3.18	81.14						
7	.65	2.95	84.10						
8	.57	2.60	86.70						
9	.41	1.89	88.59						
10	.37	1.68	90.28						
11	.33	1.52	91.80						
12	.25	1.17	92.98						
13	.23	1.08	94.07						
14	.23	1.04	95.11						
15	.19	.89	96.01						
16	.17	.79	96.81						
17	.06	.31	100.00						

पहला कारक कुल विचरण का 20.89% है। दूसरा कारक अतिरिक्त 19.22% की व्याख्या करता है, जिससे संचयी विचरण 39.92% हो जाता है। तीसरा कारक आगे 19.99% का योगदान देता है, जिससे संचयी विचरण 55.67% हो जाता है। चौथा कारक एक और 17.84% जोड़ता है, जिससे संचयी विचरण 67.02% हो जाता है। पाँचवाँ कारक 10.93% के लिए जिम्मेदार है, जिससे संचयी विचरण 77.96% हो जाता है। बाद के कारक (छठे से सत्रहवें तक) क्रमिक रूप से विचरण के छोटे भागों की व्याख्या करते हैं, जो सत्रहवें कारक द्वारा 100% के कुल विचरण में परिणत होते हैं।

तालिका 1.4: कारक मर्दे और कारक भार महिला उद्यमशीलता चुनौतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न चर प्रदान करते हैं

चर	कारक आइटम	लोडिंग
सामाजिक और पारिवारिक समर्थन	परिवार के सदस्यों और मित्रों से समर्थन	.854
	सामाजिक नेटवर्क से समर्थन	.763
	परिवार के सदस्य घरेलू कामों में सहयोग करते हैं	.732
	मेरे पति और परिवार मुझे आर्थिक रूप से भी सहायता करते हैं	.643
	परिवार के सदस्यों के सहयोग के कारण मैं अपने काम और पारिवारिक जीवन में आसानी से संतुलन बना पाता हूँ।	.601
भावात्मक बुद्धि	व्यक्तिगत योग्यताएँ	.832
	आत्म प्रबंधन कौशल	.867
	सामाजिक दक्षताएँ	.821
	समस्या समाधान क्षमता	.743
रूढ़िबद्धता	नकारात्मक लिंग धारणा	.794
	संसाधन अधिग्रहण में लैंगिक असमानता का सामना करना	.765
	अवसरों की उपलब्धता पर लिंग पूर्वाग्रहों का प्रभाव	.654
	नेतृत्व कौशल की कमी मानी जाती है	.632
ज्ञान	कार्य अनुभव का अभाव	.896
	औद्योगिक एवं तकनीकी जानकारी का अभाव	.865
	सीखने के अवसरों की कम उपलब्धता	.743
	शिक्षा तक पहुंच	.612

तालिका चार प्रमुख चरों के अंतर्गत वस्तुओं के लिए कारक लोडिंग को रेखांकित करती है:

सामाजिक और पारिवारिक सहायता: यह इस बात से संबंधित है कि परिवार और सामाजिक संबंध महिला उद्यमियों की किस तरह सहायता करते हैं। इनमें से, परिवार और मित्रों से सहायता प्राप्त करना सबसे प्रभावशाली है, जिसका मजबूत सहसंबंध 0.854 है। सामाजिक नेटवर्क से सहायता और घरेलू कामों में सहयोग जैसे अन्य कारक भी उल्लेखनीय सहसंबंध दिखाते हैं, जबकि परिवारों, विशेष रूप से पतियों से वित्तीय सहायता और इस सहायता के कारण काम और परिवार के बीच संतुलन मध्यम रूप से जुड़े हुए हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता: यह चर व्यक्तिगत और सामाजिक योग्यताओं को मापता है। डेटा से पता चलता है कि 0.867 की लोडिंग के साथ स्व-प्रबंधन कौशल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। व्यक्तिगत योग्यता, सामाजिक

कौशल और समस्या-समाधान क्षमता जैसे अन्य तत्व भी पर्याप्त सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं। स्टीरियोटाइपिंग: यह चर लिंग धारणाओं से संबंधित चुनौतियों को उजागर करता है। लिंग से जुड़ी नकारात्मक धारणा 0.794 की लोडिंग के साथ दृढ़ता से जुड़ी हुई है। अन्य आइटम, जैसे संसाधन अधिग्रहण के दौरान असमानता का सामना करना और अवसरों पर पूर्वाग्रहों का प्रभाव, महत्वपूर्ण संबंध दिखाते हैं। महिलाओं में नेतृत्व कौशल की कमी की धारणा भी एक भूमिका निभाती है, लेकिन यह थोड़ी कम स्पष्ट है। ज्ञान: यह महिला उद्यमियों की अनुभवात्मक और शैक्षिक पृष्ठभूमि से संबंधित है। एक उल्लेखनीय अवलोकन कार्य अनुभव की कमी का गहरा प्रभाव है, जिसका उच्चतम सहसंबंध 0.896 है। इसके बाद औद्योगिक और तकनीकी ज्ञान की अनुपस्थिति है। सीखने के कम अवसर और शिक्षा तक पहुँच भी मायने रखती है, लेकिन इनका सहसंबंध अपेक्षाकृत कम है।

संक्षेप में, यह तालिका महिला उद्यमियों को प्रभावित करने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण कारकों को रेखांकित करती है, जिनमें कुछ क्षेत्र अन्य की तुलना में अधिक स्पष्ट हैं।

5 निष्कर्ष

यह लेख महिला उद्यमियों के सामने आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डालता है। दिलचस्प बात यह है कि यह सुझाव देता है कि अधिक अनुभवी महिला उद्यमी या स्थापित व्यवसाय वाली महिलाएँ आम तौर पर पारिवारिक और सामाजिक समर्थन चुनौतियों को कम दबाव वाली मानती हैं। इस प्रकार, जबकि ये महिलाएँ पारिवारिक और सामाजिक समर्थन को मूल्यवान मानती हैं, इसे उनकी सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में नहीं देखा जाता है। एक महत्वपूर्ण चुनौती जो उभर कर आती है वह यह धारणा है कि कई महिला उद्यमी भावनात्मक रूप से अधिक प्रवृत्त होती हैं और अक्सर उनमें आत्मविश्वास, आत्म-विश्वास और सामाजिक कौशल की कमी होती है। हालाँकि, शोध से संकेत मिलता है कि उनकी सफलता पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रभाव उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कोई सोच सकता है। इससे पता चलता है कि उद्यमी, स्वभाव से, आंतरिक रूप से आत्मनिर्भर होते हैं, उनमें मजबूत आंतरिक अनुशासन होता है, और वे अपने भविष्य को आकार देने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। इसलिए, अधिकांश महिला उद्यमी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को अपनी व्यावसायिक सफलता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक के रूप में नहीं देखती हैं। दूसरी ओर, ज्ञान की कमी स्पष्ट रूप से और प्रतिकूल रूप से सूचित निर्णय लेने, अवसरों की पहचान करने, जोखिम लेने और रचनात्मकता जैसे गुणों को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है, और उनके आत्मविश्वास को कम कर सकती है, जिससे उनकी उद्यमशीलता की सफलता प्रभावित होती है। आर्थिक विकास, पर्यावरण संतुलन, सामाजिक समानता और गरीबी उन्मूलन को बढ़ावा देने में महिला उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए - जिसके कारण कई देशों में

सकल घरेलू उत्पाद में पर्याप्त योगदान होता है - इन चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है।

संदर्भ

- Alam S. S., Jani, M. F. M. & Omar N. A. (2011). *An empirical study of success factors of women entrepreneurs in southern region in Malaysia. International Journal of Economics and Finance*, 3(2), 166-175. <https://doi.org/10.5539/ijef.v3n2p166>.
- Albee, A. 1994. 'Support to Women's Productive and IncomeGenerating Activities'. UNICEF Evaluation and Research Working Paper Series No. 1. International Center for Research on Women (ICRW). 'The Issue: Women's Economic Empowerment'.
- Bernardi, R. A. (2006). Associations between Hofstede's cultural constructs and social desirability response bias. *Journal of Business Ethics*, 65(1), 43-53. <https://doi.org/10.1007/s10551-005-5353-0>
- B. Sobha Rani. 2014. 'Human Development and Women Empowerment'. *GJRA – Global Journal for Research Analysis*. 3(8), August Special Issue: 1-3.
- Diop M. How empowering women can help end poverty in Africa. Washington DC: World Bank, 2015
- Golla, A. M. Malhotra A. Nanda P. Mehra R. 2011. 'Understanding and measuring women's economic empowerment Definition, framework and indicators'. International Center for Research on Women (ICRW).
- Koko, U. "Empowering People for Health and Family Planning." *IASSI Quarterly* 11 (1992).
- Lee, J. H., & Venkataraman, S. (2006). Aspirations, market offerings, and the pursuit of entrepreneurial opportunities. *Journal of Business Venturing*, 21(1), 107-123. <https://doi.org/10.1016/j.jbusvent.2005.01.002>
- Mason, C., & Ibrahim, M. (2012). Challenges faced by Muslim women entrepreneurs: the Malaysian context. In *International Conference on Business and Economic Research* (pp. 2350-2359).
- Mokta, Mamta. "Empowerment of Women in India: A critical analysis." *Indian Journal of Public Administration LX*, no. 3 (2014): 473-488.

- Malhotra, A., Schuler, S.R. and Boender, C. 2002. 'Measuring Women's Empowerment as a Variable in International Development'. The World Bank, Washington DC
- Pluess J D, Mohapatra A, Oger C, Gallo K, Meiers R, Fritz K. Building effective women's economic empowerment strategies: Sector-specific opportunities and the case for collaboration. 2016, https://www.icrw.org/wpcontent/uploads/2016/10/BSR_ICRW_Building_Effective_Womens_Economic_Empowerment_Strategies-.pdf
- Rashid, K. M., Ngah, H. C., Mohamed, Z., & Mansor, N. (2015). Success factors among women entrepreneur in Malaysia. *International Academic Research Journal of Business and Technology*, 1(2), 28-36.
- Ruqia M-u-D. Role of education in women empowerment. *International Journal of Academic Research and Development*, 2018, 3(1):1377-1380
- Salovey, P., & Mayer, J. D. (1990). Emotional intelligence. *Imagination, cognition and personality*, 9(3), 185-211. <https://doi.org/10.2190/DUGG-P24E-52WK-6CDG>
- Shmiln, A. W. (2017). Female entrepreneurs in developing countries: a comparative with developed countries as explorative study. *Arabian J Bus Manag Review*, 7(331), 2.
- Srivastava, M. 2009. 'Essay on women empowerment'. Available at SSRN 1482560.
- Tambunan, T. (2009). Women entrepreneurship in Asian developing countries: Their development and main constraints. *Journal of Development and Agricultural Economics*, 1(2), 27-40.
- Tanusia, A., Marthandan, G., & Subramaniam, I. D. (2016). Economic Empowerment of Malaysian Women through Entrepreneurship: Barriers and Enablers. *Asian Social Science*, 12(6). <https://doi.org/10.5539/ass.v12n6p81>
- Wijeyesekera N. Equal land rights for empowerment of women: A South Asian perspective with special emphasis on Sri Lanka. *International Journal for Studies on Children, Women, Elderly and Disabled*, 2017, 1(1):64-72